# K-802

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MAJY-601

## होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन-01

MA Jyotish (MAJY)

3rd Semester Examination 2023 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ग्रहों के उच्च-नीच मूल त्रिकोण के विषय में विस्तारपूर्वक लिखिए साथ ही फलादेश में इसकी उपादेयता किस प्रकार है लिखिए।

अथवा

सूर्यादि नवग्रहों के अवस्था विचार का वर्णन कीजिए।

2. षड्वर्ग का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

3. ग्रहदृष्टि एवं ग्रहमैत्री विचार का प्रतिपादन कीजिए।

4. सप्तवर्ग एवं दशवर्ग का सोदाहरण लेखन कीजिए।

5. राशियों का परिचय देते हुए स्वरूप विचार का लेखन करें।

अथवा

नक्षत्र पर टिप्पणी लिखिए।

## ( खण्ड-ख )
## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. राशि का परिचय दीजिए।

अथवा

द्वादश भाव का परिचय देते हुए विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

2. सूर्य–मंगल–गुरु ग्रहों के स्वरूप को लिखिए।

3. सिंह–कन्या–तुला राशियों के स्वरूप को लिखिए।

4. पराशर जी के मतानुसार स्थिर कारक ग्रहों का वर्णन कीजिए।

अथवा

पंचम भाव से विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

5. ग्रहों की कितनी प्रकार की अवस्था होती है संक्षिप्त में परिचय दीजिए।

अथवा

ग्रहों के स्थान बल से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।

6. ग्रहों के काल बल को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

सोदाहरण चेष्टाबल प्रस्तुत कीजिए।

7. ग्रहों की दृष्टि के सन्दर्भ में लिखिए।

8. ग्रह के पूर्ण बल से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।